PAPER-II
PHILOSOPHY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________
(In words)

J	0	3	1	6

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PHILOSOPHY
Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. The asamavāyikāraṇa of an earthen pot according to the Vaiśeṣikas is
(1) Earth itself
(2) Pot itself
(3) Parts of the pot
(4) The conjunction of the parts of the pot

2. Parvataḥ vahnimān dhumāt
What type of hetvābhāsa is committed by the above anumāna ?
(1) Asādhārana Savyabhicāra
(2) Anupasaṁhāri
(3) Bādhita
(4) Vyāpytvāsiddha

3. According to which school a thing may be 'is' and 'is not' at the same time ?
(1) Cārvāka
(2) Vedānta
(3) Jaina
(4) Bauddha

4. According to Cārvākas anumāna cannot be a pramāṇa because
(1) It cannot prove God.
(2) It is not infallible.
(3) Its vyāpti cannot be established.
(4) It is self-contradictory.

5. In Vedic tradition yajña is performed under the direction of
(1) Yajmāna
(2) Rṭvika
(3) Gṛhakarta
(4) Iśvara

6. Select the code that states the correct sequence :
(1) Brāhmaṇa, Saṁhitā, Āraṇyaka, Upaniṣad
(2) Upaniṣad, Saṁhitā, Āraṇyaka, Brāhmaṇa
(3) Saṁhitā, Brāhmaṇa, Āraṇyaka, Upaniṣad
(4) Saṁhitā, Upaniṣad, Brāhmaṇa, Āraṇyaka

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. वैशेषिक के अनुसार एक घट का असमवायीकारण है :
(1) पृथ्वी स्वयं
(2) घट स्वयं
(3) घट के अंश
(4) घट के अंशों का संयोजन

2. पर्वत: वह्निमान धूमात्
उपर्युक्त अनुमान में किस प्रकार का हेत्वाभास है ?
(1) असाधारण सव्यभिचार
(2) अनुपसंहारी
(3) बाधित
(4) व्याप्यत्वासिद्ध

3. निम्नलिखित में से किस दर्शन के अनुसार एक वस्तु एक ही समय में 'हो' भी सकती है और 'नहीं भी' ?
(1) चार्वाक
(2) वेदांत
(3) जैन
(4) बौद्ध

4. चार्वाक के अनुसार अनुमान एक प्रमाण नहीं हो सकता क्योंकि :
(1) यह ईश्वर को सिद्ध नहीं कर सकता है ।
(2) यह भ्रमातीत नहीं है ।
(3) इसकी व्याप्ति को स्थापित नहीं किया जा सकता है ।
(4) यह स्व व्याघाती है ।

5. वैदिक परंपरा में यज्ञ को निम्नलिखित में से किसके निर्देशन में सम्पन्न किया जाता है ?
(1) यजमान
(2) ऋत्विक
(3) गृहकर्ता
(4) ईश्वर

6. निम्नलिखित में से सही क्रम को बताने वाले कूट का चयन करें :
(1) ब्राह्मण, संहिता, आरण्यक, उपनिषद्
(2) उपनिषद्, संहिता, आरण्यक, ब्राह्मण
(3) संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्
(4) संहिता, उपनिषद्, ब्राह्मण, आरण्यक

7. Which of the following school holds that the magnitude of the body (dehaporimāṇa) is the magnitude of the ātmā ?

(1) Cārvāka

(2) Vaiśeṣika

(3) Yoga

(4) Jaina

8. Given below one Assertion (A) and a Reason (R). Consider them in the light of Nyāya Philosophy and select the correct code given below :

Assertion (A) : Lakṣaṇā cannot be a Vṛtti .

Reason (R) : Śakti is a Vṛtti and Śakti is not Lakṣaṇā.

Codes :

(1) (A) and (R) both are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) (A) and (R) both are true and (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true, but (R) is false.

(4) (A) is false and (R) is true.

9. Ṛṣiṃṇa can be repaid by

(1) Brahmacarya

(2) Performing yajña

(3) Giving birth to a son

(4) Helping the poor

10. Given below one Assertion (A) and one Reason (R). Consider them in the light of Nyāya-Vaiśeṣika Philosophy and select the correct code from given below :

Assertion (A) : The liberated soul must be Jaḍa (matter).

Reason (R) : The liberated soul looses even its consciousness.

Codes :

(1) (A) and (R) both are true and (R) provides the correct explanation of (A).

(2) (A) and (R) both are true and (R) does not provide correct explanation of (A).

(3) (A) is true and (R) is false.

(4) (A) is false and (R) is true.

11. Which one among the following is the cause of the magnitude (Parimāṇa) of trasareṇu according to the Vaiśeṣikas ?

(1) Number of the Paramāṇus

(2) Number of the dryaṇukas

(3) Number of the traṣarenus

(4) Trasareṇu themselves

7. निम्नलिखित में से किस दार्शनिक सम्प्रदाय की यह धारणा है कि देहपरिमाण ही आत्मा का भी परिमाण है ?
(1) चार्वाक
(2) वैशेषिक
(3) योग
(4) जैन

8. नीचे अभिकथन (A) और कारण (R) दिया गया है । उन पर न्याय दर्शन के परिप्रेक्ष्य में विचार करें और नीचे दिए गए कूट में से सही का चयन करें :
अभिकथन (A) : लक्षणा एक वृत्ति नहीं हो सकती है ।
कारण (R) : शक्ति एक वृत्ति है और शक्ति लक्षणा नहीं है ।
कूट :
(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत नहीं करता है ।
(3) (A) सही है और (R) गलत है ।
(4) (A) गलत है और (R) सही है ।

9. निम्नलिखित में से किसके द्वारा ऋषिऋण से उऋण हुआ जा सकता है ?
(1) ब्रह्मचर्य का पालन करके
(2) यज्ञ करके
(3) पुत्र उत्पन्न करके
(4) निर्धन की सहायता करके

10. नीचे एक अभिकथन (A) और एक कारण (R) दिया गया है । इन्हें न्याय वैशेषिक दर्शन के परिप्रेक्ष्य में विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही का चयन कीजिए :
अभिकथन (A) : मुक्त आत्मा जड़ ही है ।
कारण (R) : मुक्त आत्मा अपनी चेतना को भी खो देती है ।
कूट :
(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत नहीं करता है ।
(3) (A) सही है और (R) गलत है ।
(4) (A) गलत है और (R) सही है ।

11. वैशेषिक के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा एक त्रसरेणु के परिमाण का कारण है ?
(1) परमाणुओं की संख्या
(2) द्वयणुको की संख्या
(3) त्रसरेणुओं की संख्या
(4) त्रसरेणु स्वयं

12. Match the List – I with List – II and select the correct code from given below :

	List – I		**List - II**
a.	Brahmasūtras	i.	Kaṇāda
b.	Mimāṁsāsūtras	ii.	Jaimini
c.	Vaiśeṣikasūtras	iii.	Patañjali
d.	Yogasūtras	iv.	Bādarāyaṇa

Codes :

	a	b	c	d
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	i	iii	ii	iv
(3)	iv	ii	i	iii
(4)	iv	i	ii	iii

13. Who holds the view that 'Religion is acceptance, not tolerance' ?
(1) Sri Aurobindo
(2) Vivekananda
(3) J. Krishnamurti
(4) Radhakrishnan

14. Who holds the view that world is 'Cradle of Human Spirit' ?
(1) J. Krishnamurti
(2) K.C. Bhattacharya
(3) Vivekananda
(4) Tagore

15. Which one of the following philosophers propounds that rebirth is essential for individual evolution ?
(1) Radhakrishnan
(2) Gandhi
(3) Sri Aurobindo
(4) Tagore

16. Which one of the following holds that 'The region of Negation is the region of the Indefinite' ?
(1) K.C. Bhattacharya
(2) Vivekananda
(3) Tagore
(4) Radhakrishnan

17. Who among the following maintains 'By education I mean an all-round drawing out of the best in child and man – body, mind and spirit' ?
(1) Tagore
(2) Vivekanand
(3) Sri Aurobindo
(4) Gandhi

12. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही कूट का चयन कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
a.	ब्रह्मसूत्र	i.	कणाद
b.	मीमांसासूत्र	ii.	जैमिनी
c.	वैशेषिक सूत्र	iii.	पतंजलि
d.	योगसूत्र	iv.	बादरायण

कूट :

	a	b	c	d
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	i	iii	ii	iv
(3)	iv	ii	i	iii
(4)	iv	i	ii	iii

13. किसका मत है कि 'धर्म स्वीकार्यता' है, सहिष्णुता नहीं ?

(1) श्री अरविन्द
(2) विवेकानन्द
(3) जे. कृष्णमूर्ति
(4) राधाकृष्णन्

14. किसका मत है कि जगत 'मानव आत्म रूप का पालना' है ?

(1) जे. कृष्णमूर्ति
(2) के.सी. भट्टाचार्य
(3) विवेकानन्द
(4) टैगोर

15. कौन दार्शनिक प्रतिपादित करता है कि व्यक्तिगत विकास के लिए पुनर्जन्म अपरिहार्य है ?

(1) राधाकृष्णन्
(2) गाँधी
(3) श्री अरविन्द
(4) टैगोर

16. निम्नलिखित में से किसका मत है कि 'निषेध का क्षेत्र अनिर्दिष्टता का क्षेत्र है' ?

(1) के.सी. भट्टाचार्य
(2) विवेकानन्द
(3) टैगोर
(4) राधाकृष्णन्

17. निम्नलिखित में से किसका कथन है कि 'शिक्षा का अर्थ व्यक्ति के शरीर, मन, आत्म में जो शुभत्व है उसे प्रकट करने का प्रयत्न है' ?

(1) टैगोर
(2) विवेकानन्द
(3) श्री अरविन्द
(4) गाँधी

18. Which one of the following is correct ?

	(Books)		**(Authors)**
(1)	Philosophy of Hinduism, On Fear	–	Ambedkar
(2)	You are the World, The limits of Thought	–	J. Krishnamurti
(3)	Fruit Gathering, Total Freedom	–	Tagore
(4)	The Human Cycle, The Recovery of Faith	–	Sri Aurobindo

19. Consider given Assertion (A) and Reason (R) and then mark the correct option as given below :

Assertion (A) : Śūnya in the sense of mere negation is pure nihilism.

Reason (R) : Śūnya is contradicted by all valid means of knowledge.

Codes :

(1) (A) and (R) are both true and (R) does not provide correct explanation of (A).

(2) (A) is false and (R) is true and (R) provides correct explanation of (A).

(3) (A) and (R) are both true and (R) provides correct explanation of (A).

(4) (A) is true and (R) is false and (R) provides the incorrect explanation of (A).

20. In Rāmānuja-Vedānta all the following propositions are true except :

(1) Jīva is in organic relation with Brahman.

(2) Jīva is existentially one with Brahman.

(3) Jīva is the Viśeṣaṇa of Brahman.

(4) Jīva is entirely dependent on Brahman.

21. "The silver that appears in a shell cannot be unreal because it appears; that silver cannot also be real because it is found to be not there when we see the shell proerly." This is the view of the

(1) Viśiṣṭādvaitins

(2) Śūnyavādins

(3) Sāṁkhyans

(4) Advaitins

22. "Brahman is truly independent among the reals; there is nothing equal or superior to it" – this view is upheld by

(1) Śaṁkara

(2) Iśwara Kriṣṇa

(3) Madhva

(4) Prabhākara

18. निम्नलिखित में से कौन सही है ?

	(ग्रन्थ)		**(लेखक)**
(1)	फिलॉसफ़ी ऑफ़ हिन्दूइज्म, ऑन फीयर	–	अम्बेडकर
(2)	यू आर द वर्ल्ड, द लिमिट्स ऑफ थॉट	–	जे. कृष्णमूर्ति
(3)	फ्रूट गैदरिंग, टोटल फ्रीडम	–	टैगोर
(4)	ह्यूमन सायकिल, द रीकवरी ऑफ फेथ	–	श्री अरविन्द

19. नीचे दिए गए अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

अभिकथन (A) : केवल निषेध के अर्थ में शून्यता शुद्ध अभाव है ।

कारण (R) : ज्ञान के सभी वैध साधनों से शून्यता बाधित हो जाती है ।

कूट :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत नहीं करता है ।

(2) (A) गलत है और (R) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(3) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(4) (A) सही है और (R) गलत है और (R), (A) की गलत व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

20. रामानुज-वेदान्त में, अधोलिखित अभिकथनों में एक के सिवाय सभी सत्य हैं :

(1) जीव का ब्रह्म से अवयव-अवयवी संबंध है ।

(2) जीव का ब्रह्म के साथ ऐक्य है ।

(3) जीव ब्रह्म का विशेषण है ।

(4) जीव ब्रह्म पर पूर्णत: आश्रित है ।

21. "एक सीपी में दिखाई देने वाली चाँदी असत् नहीं हो सकती क्योंकि यह दिखती है; यह चाँदी सत् भी नहीं हो सकती क्योंकि जब हम सीपी को विधिवत् देखते हैं तो यह वहाँ उपस्थित नहीं होती ।" यह अवधारणा है :

(1) विशिष्टाद्वैती

(2) शून्यवादी

(3) सांख्यवादी

(4) अद्वैती

22. "ब्रह्म सभी वास्तविकताओं में स्वतंत्र है; कुछ भी उसके समान अथवा उससे श्रेष्ठ नहीं है" – इस विचार का समर्थन किया है :

(1) शंकर

(2) ईश्वरकृष्ण

(3) मध्वा

(4) प्रभाकर

23. Match List – I with List – II and select the correct answer by using the codes given below :

List – I	**List – II**
i. Śāṁkhya	a. Prasthānatraya
ii. Yoga	b. Svarga prāpti
iii. Pūrva-Mimāṁsa	c. Asaṁprajñāta samādhi
iv. Vedānta	d. Puruṣa-prakṛti-viveka jñāna

Codes :

	a	b	c	d
(1)	ii	i	iv	iii
(2)	iv	iii	ii	i
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iii	iv	ii	i

24. According to Śāṁkhya-yoga Puruṣa is

(1) Conscious and active

(2) Conscious and inactive

(3) Unconscious and active

(4) Unconscious and inactive

25. Select the code which presents the Skandhas in correct sequence :

(1) Vijñāna, rūpa, vedanā, saṁjñā and saṁskāra

(2) Saṁjñā, vijñāna, rūpa, vedanā, and saṁskāra

(3) Rūpa, vedanā, saṁjñā, saṁskāra and vijñāna

(4) Rūpa, saṁjñā, vedanā, saṁskāra and vijñāna

26. "Forms are not apart from things, but inherent in them; they are not transcendent but immanent" is the view that can be ascribed to which one of the following Greek philosophers ?

(1) Socrates

(2) Plato

(3) Aristotle

(4) Democritus

27. Given below are two statements, one labelled as Assertion(A) and the other labelled as Reason(R). Considering (A) and (R) in the light of Plato's epistemology. Mark the correct code :

Assertion (A) : Conceptual knowledge is the only genuine knowledge.

Reason (R) : Conceptual knowledge does not presuppose the reality of corresponding ideal or abstract objects.

Codes :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true, but (R) is false.

(4) (A) is false, but (R) is true.

23. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची – I	**सूची – II**
i. सांख्य	a. प्रस्थानत्रय
ii. योग	b. स्वर्ग प्राप्ति
iii. पूर्व-मीमांसा	c. असम्प्रजात समाधि
iv. वेदान्त	d. पुरुष-प्रकृति-विवेक ज्ञान

कूट :

	a	b	c	d
(1)	ii	i	iv	iii
(2)	iv	iii	ii	i
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iii	iv	ii	i

24. सांख्य-योग के अनुसार पुरुष है :

(1) चेतन और सक्रिय
(2) चेतन और जड़
(3) अचेतन और सक्रिय
(4) अचेतन और जड़

25. स्कंध को सही क्रम में प्रस्तुत करने वाले कूट का चयन करें :

(1) विज्ञान, रूप, वेदना, संज्ञा और संस्कार
(2) संज्ञा, विज्ञान, रूप, वेदना और संस्कार
(3) रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान
(4) रूप, संज्ञा, वेदना, संस्कार और विज्ञान

26. "आकार वस्तुओं से पृथक नहीं हैं, बल्कि उनमें अन्तर्निष्ठ हैं; वे इन्द्रियातीत नहीं हैं बल्कि अनुस्यूत हैं ।" यह दृष्टिकोण निम्नलिखित में से किस ग्रीक दार्शनिक का है ?

(1) सुकरात
(2) प्लेटो
(3) अरस्तु
(4) डेमोक्राइटस

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं, इनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) की संज्ञा दी गई है । प्लेटो की ज्ञानमीमांसा के परिप्रेक्ष्य में (A) और (R) पर विचार करते हुए सही कूट का चयन करें :

अभिकथन (A) : संकल्पनात्मक ज्ञान ही विशुद्ध ज्ञान है ।

कारण (R) : संकल्पनात्मक ज्ञान अनुकूल आदर्श अथवा अमूर्त वस्तुओं की यथार्थता के लिए आवश्यक नहीं होता ।

कूट :

(1) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है ।
(2) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।
(3) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है ।
(4) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है ।

28. Consider the following statements with reference to St. Anselm and mark the correct code :

(i) He attempted to find necessary reasons for the truths of the faith.

(ii) 'I believe in order to understand'.

(iii) By God we mean 'that than which no greater can be thought'.

Codes :

(1) Only (i) is true.

(2) Only (i) and (ii) is true.

(3) Only (iii) is true.

(4) All (i), (ii) and (iii) are true.

29. Given below are two statements, one labelled as Assertion (A) and the other labelled as Reason (R). Considering (A) and (R) in the light of Thales. Select the correct code :

Assertion (A) : Magnet has a soul.

Reason (R) : Magnet possesses a power to move other things.

Codes :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true, but (R) is false.

(4) (A) is false, but (R) is true.

30. Consider the following statements in the light of Heraclitus and mark the correct code :

(i) Heraclitus held that the world had always existed and thus rejected cosmogony.

(ii) The world and its constituents are in a state of perpetual flux.

(iii) He argued that 'The path up is the same as path down'.

Codes :

(1) Only (i) is true.

(2) Only (i) and (ii) are true.

(3) All (i), (ii) and (iii) are true.

(4) Only (i) and (iii) are true.

31. Consider the following statements in the light of St. Augustine and mark the correct code :

(i) Mutability is a mark of every creature.

(ii) God is strictly immutable.

(iii) Changeable things are not fully but only "partially" real.

(iv) All creatures are absolutely real.

Codes :

(1) Only (i) and (ii) are true.

(2) Only (ii) and (iv) are true.

(3) Only (iii) and (iv) are true.

(4) Only (i), (ii) and (iii) are true.

28. सेंट ऐन्सल्म के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :

(i) उसने आस्था की सत्यता के लिए आवश्यक कारणों को जानने का प्रयास किया ।

(ii) "मैं समझने के लिये विश्वास करता हूँ ।"

(iii) ईश्वर से हमारा अभिप्राय है 'कि इससे ज्यादा व्यापक नहीं सोचा जा सकता ।'

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(3) मात्र (iii) सही है ।

(4) सभी (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

29. नीचे दो कथन दिए गए हैं, इनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) की संज्ञा दी गई है । थेल्स के परिप्रेक्ष्य में (A) और (R) पर विचार करते हुए सही कूट का चयन करें :

अभिकथन (A) : चुंबक में आत्मा है ।

कारण (R) : चुंबक अन्य वस्तुओं को हिलाने की क्षमता रखता है ।

कूट :

(1) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है ।

(2) दोनों (A) और (R) सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

(3) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है ।

(4) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है ।

30. हेराक्लाइटस के दृष्टिकोण से निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही कूट का चयन करें :

(i) हेराक्लाइटस ने माना कि संसार हमेशा से अस्तित्व में था और इसलिए विश्वोत्पत्ति को अस्वीकार किया ।

(ii) संसार और इसके घटक निरन्तर प्रवाहमान हैं ।

(iii) उन्होंने तर्क दिया कि ऊर्ध्वगामी मार्ग अधोगामी मार्ग के समान है ।

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(3) सभी (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

(4) मात्र (i) और (iii) सही हैं ।

31. सेंट अगस्टीन के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :

(i) परिवर्तनशीलता प्रत्येक प्राणी की विशेषता है ।

(ii) ईश्वर सुनिश्चित तौर पर अपरिवर्त्य है ।

(iii) परिवर्तनशील वस्तुएँ पूर्णत: नहीं, लेकिन आंशिक रूप में सत् होती हैं ।

(iv) सभी प्राणी पूर्णत: सत् होते हैं ।

कूट :

(1) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(2) मात्र (ii) और (iv) सही हैं ।

(3) मात्र (iii) और (iv) सही हैं ।

(4) मात्र (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

32. Match List – I with List – II and select the correct answer by using the codes given below :

List – I	List – II
i. Locke	a. 'I think therefore I am'
ii. Descartes	b. God is immanent in the world
iii. Spinoza	c. Pre-established harmony
iv. Leibnitz	d. Secondary qualities are subjective

Codes :

	a	b	c	d
(1)	iii	ii	i	iv
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	i	iv	ii	iii
(4)	iv	i	iii	ii

33. Consider given Assertion (A) and Reason (R) and then mark the correct option as given below :

Assertion (A) : According to Leibnitz there is a necessary relation between the gushing wind and the shutting of the door.

Reason (R) : There is pre-established harmony.

Codes :

(1) (A) is true and (R) is false and (R) provides the incorrect explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true and (R) provides the correct explanation of (A).

(3) (A) is false and (R) is true and (R) provides the correct explanation of (A).

(4) Both (A) and (R) are true and (R) provides incorrect explanation of (A).

34. All the following statements are inconsistent with Spinoza <u>except</u> :

(1) Mind and Body are two unlike substances.

(2) Doubting implies the existence of the doubter.

(3) God is ontologically different from the world.

(4) The world and its changes are but modes of God.

35. 'The entire universe is mirrored in each unit of the substance except for the difference that it is mirrored only slightly differently from unit to unit.' This position is acceptable to

(1) Spinoza

(2) Leibnitz

(3) Descartes

(4) St. Thomas Aquinas

32. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची – I	**सूची – II**
i. लॉक	a. 'मैं चिंतन करता हूँ इसलिए मैं हूँ' ।
ii. डेकार्ट	b. ईश्वर सर्वव्यापी है ।
iii. स्पिनोज़ा	c. पूर्व स्थापित सामंजस्य ।
iv. लाइब्नीज़	d. द्वितीयक गुण आत्मनिष्ठ है ।

कूट :

	a	b	c	d
(1)	iii	ii	i	iv
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	i	iv	ii	iii
(4)	iv	i	iii	ii

33. नीचे दिए गए अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार करते हुए दिए गए कूटों में से सही विकल्प का चयन करें :

अभिकथन (A) : लाइबनीज़ के अनुसार द्रुतवेगी वायु और दरवाज़े के बंद होने में अनिवार्य संबंध है ।

कारण (R) : यह पूर्व-स्थापित सामंजस्य है ।

कूट :

(1) (A) सही है और (R) गलत है और (R), (A) की गलत व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(2) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(3) (A) गलत है और (R) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(4) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की गलत व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

34. सिवाय एक के निम्नलिखित सभी कथन स्पिनोज़ा के अननुरूप हैं :

(1) मन और शरीर परस्पर दो भिन्न द्रव्य हैं ।

(2) संदेह से संदेहकर्ता का अस्तित्व सिद्ध होता है ।

(3) ईश्वर सत्तात्मक दृष्टि से संसार से भिन्न है ।

(4) संसार और इसके परिवर्तन ईश्वर के प्रकार्य हैं ।

35. "संपूर्ण ब्रह्मांड पदार्थ के प्रत्येक घटक में प्रतिबिंबित होता है सिवाय इस अंतर के कि यह एक घटक से दूसरे घटक में कुछ भिन्नता के साथ प्रतिबिंबित होता है ।" यह स्थिति स्वीकार्य है :

(1) स्पिनोज़ा

(2) लाइबनीज़

(3) डेकार्ट

(4) सेंट थॉमस एक्विनॉस

36. G.E. Moore's refutation of idealism is based on which one of the following ?
(1) Distinction between act of awareness and object of awareness.
(2) Distinction between knower and the act of knowing.
(3) Distinction between mind and matter.
(4) Distinction between sense and reference.

37. Which one of the following statements are true with reference to Russell's "problems of philosophy" ?
(1) Universals are real entities which exist neither in the mental nor in the physical worlds, and yet have a subsistent or logical status.
(2) Universals are unreal, that exist only in imagination.
(3) Universals are real entities, that exist in both mental and physical worlds.
(4) Universals are real entities that exist only in the mental world.

38. Consider the following statements with reference to logical positivism and mark the correct code :
(i) Strong verification requires that to be meaningful a statement should be verifiable or falsifiable by direct confrontation with experience.
(ii) Logical positivism employs verifiability as the criterion of meaning.
(iii) Strong verification requires both direct and indirect methods of verifiability.
Codes :
(1) Only (i) is true.
(2) Only (i) and (ii) are true.
(3) Only (iii) is true.
(4) Only (i) and (iii) are true.

39. The view that "Happiness does not consist of a preponderance of pleasurable moments which are free from pain but in the possession and creative exercise of power." – Can be attributed to which one of the following philosophers ?
(1) Hegel
(2) Moore
(3) Nietzsche
(4) Heidegger

40. Consider the following statements with reference to pragmatism of C.S. Peirce, and mark the correct code.
(i) Pragmatism is not a method of reflection.
(ii) Pragmatism is a method of reflection having for its purpose to render ideas clear.
(iii) It is merely a technique for ascertaining the meaning of conceptions.
Codes :
(1) Only (i) is true.
(2) Only (i) and (ii) are true.
(3) Only (ii) is true.
(4) Only (ii) and (iii) are true.

36. जी.ई. मूर का प्रत्ययवाद का खण्डन निम्नलिखित में से किस एक पर आधारित है ?

(1) बोध की क्रिया और बोध के विषय के बीच भिन्नता

(2) ज्ञाता और ज्ञान की क्रिया के बीच भिन्नता

(3) ज्ञाता और वस्तु के बीच भिन्नता

(4) भाव और संदर्भ के बीच भिन्नता

37. रसेल की पुस्तक 'प्रोब्लेम्स ऑफ फिलोसॉफी' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है ?

(1) सामान्य की ही वास्तविक सत्ता होती है, जो न तो मानसिक और न ही भौतिक जगत में होती है फिर भी उनकी स्थानापन्न अथवा तार्किक स्थिति होती है ।

(2) सामान्य की वास्तविक सत्ता नहीं होती है, वह सिर्फ कल्पना में होती है ।

(3) सामान्य की ही वास्तविक सत्ता होती है, वह मानसिक और भौतिक दोनों जगत में होती है ।

(4) सामान्य की ही वास्तविक सत्ता होती है, वह सिर्फ मानसिक जगत में होती है ।

38. तार्किक प्रत्यक्षवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :

(i) सबल अर्थ में सत्यापयनीयता का तात्पर्य है कि अर्थपूर्णता के लिए किसी कथन की सत्यता अथवा असत्यता को अनुभव सिद्ध होना चाहिए ।

(ii) तार्किक अनुभववादी सत्यापयनीता को अर्थ के मानदण्ड के रूप में प्रयोग करते हैं ।

(iii) सबल अर्थ में सत्यापयनीयता का तात्पर्य है सत्यापयनीयता की प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष विधि का होना ।

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(3) मात्र (iii) सही है ।

(4) मात्र (i) और (iii) सही हैं ।

39. यह दृष्टिकोण कि "प्रसन्नता ऐसे सुखद क्षणों की प्रबलता नहीं है जो दुख से मुक्त है अपितु शक्ति के अभिधारण और उसके प्रयोग में है ।" – निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(1) हेगल

(2) मूर

(3) नीत्शे

(4) हाइडेगर

40. सी.एस. पियर्स के उपयोगितावाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :

(i) उपयोगितावाद प्रतिबिंब की पद्धति नहीं है ।

(ii) विचारों को स्पष्ट करने के अपने प्रयोजन हेतु उपयोगितावाद प्रतिबिंब की पद्धति है ।

(iii) अवधारणों के अर्थ को स्पष्ट करने की एक मात्र पद्धति है ।

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(3) मात्र (ii) सही है ।

(4) मात्र (ii) और (iii) सही हैं ।

41. Consider the following statements with reference to Hegel and mark the correct code :

(i) The evolution is a logical, not a temporal process.

(ii) There must be both unity and opposition in the absolute.

(iii) Being is a rational process, an orderly evolution.

Codes :

(1) Only (i) is true.

(2) Only (i) and (ii) are true.

(3) Only (i) and (iii) are true.

(4) All (i), (ii) and (iii) are true.

42. Match the List – I with List – II and select the correct answer by using the codes given below :

	List – I		**List – II**
a.	Highest certainty; our assent to it is faith.	i.	Hegel
b.	Although all our knowledge begins with experience it does not follow that it arises out of experience .	ii.	Hume
c.	Thought proceeds from the most simple, abstract and empty concepts to the more complex, concrete and richer 'notions'.	iii.	Kant
d.	The mind is a bundle or collection of different perceptions.	iv.	Locke

Codes :

	a	b	c	d
(1)	iv	ii	i	iii
(2)	ii	iv	iii	i
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	iii	ii	i	iv

43. When the mind perceives the agreement or disagreement of two ideas by direct inspection without intervention of any other ideas is known as :

(1) Intuitive knowledge

(2) Demonstrative knowledge

(3) Sensitive knowledge

(4) None of the above

44. Which of the following is the Apodictic form of judgement according to Kant ?

(1) Every effect must have a cause

(2) This may be poison

(3) The substance is either solid or fluid

(4) All of the above

41. हेगल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :

(i) विकास कालिक नहीं अपितु एक तार्किक प्रक्रिया है ।

(ii) निरपेक्ष सत्ता में एकता एवं विरोध दोनों हैं ।

(iii) सत एक बौद्धिक प्रक्रिया, एक क्रमिक विकास है ।

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।

(3) मात्र (i) और (iii) सही हैं ।

(4) सभी (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

42. सूची-I के साथ सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन करें :

	सूची – I		**सूची – II**
a.	उच्चतम निश्चितता के लिए हमारी स्वीकृति ही आस्था है ।	i.	हेगल
b.	यद्यपि हमारा समस्त ज्ञान अनुभव से प्रारंभ होता है परन्तु इसका अर्थ ये नहीं है कि यह अनुभव से उत्पन्न होता है ।	ii.	ह्यूम
c.	विचार अत्यधिक सरल, अमूर्त एवं रिक्त अवधारणाओं से अधिक जटिल, मूर्त और बलवती धारणा की ओर बढ़ते हैं ।	iii.	कांट
d.	मस्तिष्क विभिन्न अवबोधनों का समूह अथवा संग्रहण है ।	iv.	लॉक

कूट :

	a	b	c	d
(1)	iv	ii	i	iii
(2)	ii	iv	iii	i
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	iii	ii	i	iv

43. जब मस्तिष्क किसी अन्य विचार के हस्तक्षेप के बिना प्रत्यक्ष निरीक्षण के द्वारा दो विचारों की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति का अनुभव करता है तो इसे जाना जाता है :

(1) अन्तदर्शी ज्ञान

(2) निरूपणात्मक ज्ञान

(3) संवेदी ज्ञान

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

44. कांट के अनुसार निम्नलिखित में से निर्णय का सुनिश्चित स्वरूप कौन सा है ?

(1) प्रत्येक कार्य का एक कारण होता है ।

(2) यह विष हो सकता है ।

(3) द्रव्य या तो ठोस है अथवा तरल है ।

(4) उपर्युक्त सभी

45. Consider given Assertion (A) and Reason (R) and then mark the correct option given below :

Assertion (A) : For Hume, we have no idea of a substance.

Reason (R) : We have no idea of anything but a perception whereas substance is entirely different from a perception.

Codes :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) provides a correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are false and (R) provides an incorrect explanation of (A).

(3) (A) is true and (R) is false and (R) is an incorrect explanation of (A).

(4) (A) is false and (R) is true and (R) is a correct explanation of (A).

46. Consider the following assertions :

(i) Agreement or disagreement of ideas is knowledge.

(ii) There is distinction between primary and secondary qualities.

(iii) Objects are represented through their qualities.

(iv) Knowledge of the object is pre-established in the mind.

Select the correct code in the light of John Locke's philosophy.

Codes :

(1) (i) and (ii) are true.

(2) (i), (ii) and (iii) are true.

(3) (ii), (iii) and (iv) are true.

(4) (i), (ii), (iii) and (iv) are true.

47. Consider following assertions :

(i) Synthetic Apriori Judgement is the standard of knowledge.

(ii) Synthetic Aposteriori Judgement is the standard of knowledge.

(iii) Analytic Apriori Judgment is the standard of knowledge.

(iv) Analytic Aposteriori Judgement is the standard of knowledge.

Select the correct code in the light of Kant's view-point :

Codes :

(1) Only (i) is correct.

(2) Only (ii) is correct.

(3) Only (i) and (iv) are correct.

(4) Only (iii) is correct.

45. दिए गए अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (A) : ह्यूम के लिए, हमें द्रव्य को कोई प्रत्यय नहीं होता ।

कारण (R) : हमें प्रत्यक्ष के अलावा वस्तुओं का कोई प्रत्यय नहीं होता जबकि द्रव्य प्रत्यक्ष से पूर्णतया भिन्न है ।

कूट :

(1) दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(2) दोनों (A) और (R) गलत हैं और (R), (A) की गलत व्याख्या प्रस्तुत करता है ।

(3) (A) सही है और (R) गलत है और (R), (A) की गलत व्याख्या है ।

(4) (A) गलत है लेकिन (R) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है ।

46. निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार कीजिए और जॉन लॉक के दर्शन के परिप्रेक्ष्य में सही कूट का चयन कीजिए :

(i) विचारों की स्वीकृति अथवा अस्वीकृति ज्ञान है ।

(ii) प्राथमिक और द्वितीयक गुणों के बीच भेद है ।

(iii) वस्तुएँ अपने गुणों के माध्यम से निरूपित होती हैं ।

(iv) वस्तु का ज्ञान मस्तिष्क में पूर्व स्थापित है ।

कूट :

(1) (i) और (ii) सही हैं ।

(2) (i), (ii) और (iii) सही हैं ।

(3) (ii), (iii) और (iv) सही हैं ।

(4) (i), (ii), (iii) और (iv) सही हैं ।

47. निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार कीजिए और कांट के दृष्टिकोण के परिप्रेक्ष्य में सही कूट का चयन कीजिए :

(i) संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय ज्ञान का मानदंड है ।

(ii) संश्लेषणात्मक आनुभविक निर्णय ज्ञान का मानदंड है ।

(iii) विश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णय ज्ञान का मानदंड है ।

(iv) विश्लेषणात्मक आनुभविक निर्णय ज्ञान का मानदंड है ।

कूट :

(1) मात्र (i) सही है ।

(2) मात्र (ii) सही है ।

(3) मात्र (i) और (iv) सही हैं ।

(4) मात्र (iii) सही है ।

48. Consider following assertions :

If sugar has sweetness today, it does not mean that it will remain sweet tomorrow also because –

(i) Sweetness is not inherent in the sugar.

(ii) There is only circumstantial relation between sugar and the sweetness.

(iii) There is no necessary causal relation between sugar and the sweetness.

(iv) There is only conjunction between sugar and the sweetness.

Select the correct code in the light of David Hume's view-point :

Codes :

(1) Only (i) is correct.

(2) Only (ii) is correct.

(3) Only (iii) and (iv) are correct.

(4) Only (ii) and (iv) are correct.

49. Consider the following assertion :

To be is to be perceived – this view is held by

(i) Locke

(ii) Berkeley

(iii) Locke and Berkeley

(iv) Locke, Berkeley and Hume

Select the correct code :

Codes :

(1) Only (i) is correct.

(2) Only (ii) is correct.

(3) Only (i) and (ii) are correct.

(4) Only (iv) is correct.

50. Match the List – I with List – II and select the correct answer by using the codes given below :

	List – I		**List – II**
a.	I could not have been the cause of my own existence for I have an idea of perfection.	i.	Hume
b.	If a principle can be imprinted on the soul without being known, it is impossible to distinguish between what is nature and what not.	ii.	Berkeley
c.	Mind is incapable of framing abstract ideas.	iii.	Descartes
d.	Objects are not necessarily but the ideas are connected in our mind by association.	iv.	Locke

Codes :

	a	b	c	d
(1)	ii	i	iii	iv
(2)	iv	ii	i	iii
(3)	i	ii	iv	iii
(4)	iii	iv	ii	i

48. निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार कीजिए और डेविड ह्यूम के परिप्रेक्ष्य में सही कूट का चयन कीजिए :
यदि शक्कर में आज मिठास है इसका अभिप्राय यह नहीं है कि इसमें कल भी मिठास रहेगी क्योंकि :
(i) शक्कर में मिठास अन्तर्निहित नहीं है ।
(ii) शक्कर और मिठास के बीच सिर्फ पारिस्थितिक संबंध है ।
(iii) शक्कर और मिठास के बीच कोई आवश्यक नैमित्तिक संबंध नहीं है ।
(iv) शक्कर और मिठास के बीच सिर्फ सहयोजन है ।

कूट :
(1) मात्र (i) सही है ।
(2) मात्र (ii) सही है ।
(3) मात्र (iii) और (iv) सही हैं ।
(4) मात्र (ii) और (iv) सही हैं ।

49. निम्नलिखित अभिकथन पर विचार कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए :
दृश्यता सत्ता है – यह विचार निम्नलिखित में से किसका है :
(i) लॉक
(ii) बर्कले
(iii) लॉक और बर्कले
(iv) लॉक, बर्कले और ह्यूम

कूट :
(1) मात्र (i) सही है ।
(2) मात्र (ii) सही है ।
(3) मात्र (i) और (ii) सही हैं ।
(4) मात्र (iv) सही है ।

50. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची – I		**सूची – II**
a.	मैं स्वयं अपनी सत्ता का कारण नहीं हो सकता क्योंकि मुझमें पूर्णता का प्रत्यय है ।	i.	ह्यूम
b.	यदि कोई सिद्धान्त बिना जाने हमारी आत्मा पर अंकित होता है तो उसके स्वरूप और उसमें भेद करना असंभव है ।	ii.	बर्कले
c.	अमूर्त प्रत्ययों के निर्माण में मन असक्षम है ।	iii.	डेकार्ट
d.	अनिवार्यत: वस्तु नहीं अपितु प्रत्यय ही हमारे मन के साथ संयुक्त होते हैं ।	iv.	लॉक

कूट :

	a	b	c	d
(1)	ii	i	iii	iv
(2)	iv	ii	i	iii
(3)	i	ii	iv	iii
(4)	iii	iv	ii	i

Space For Rough Work